



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. १८८

नई विल्ली, बुधवार, मई ८, १९९१/वैशाख १८, १९१३

No. 188 | NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 8, 1991/VAISAKHA 18, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी आती है जिससे इक पृष्ठ अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

संसदीय कार्य मंत्रालय

प्रधिसूचिताएँ

नई विल्ली, ८ मई, १९९१

मा. का. नि. 269(अ) :— केन्द्रीय सरकार, संमव में विधानी नेता और वेतन और भासे अधिनियम, 1977 (1977 का 33) की धारा ४ की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 10 द्वारा प्रदत्त शिक्षियों का प्रयोग करते हुए समव में विधानी नेता (अर्थे, चिकित्सीय और अन्य सुविधाएँ), नियम, 1977 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रथम।

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम संसद में विधानी नेता (अर्थे, चिकित्सीय और अन्य सुविधाएँ (संशोधन) नियम, 1991 है।

(2) ये 1 अक्टूबर, 1990 में प्रवृत्त हुए समये जाएंगे।

2. संग्रह में विधानी नेता (अर्थे, चिकित्सीय और अन्य सुविधाएँ) नियम, 1977 में—

(1) नियम 18 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, प्रथम।

“18क स्टाफ कार चालक — (1) जहां विधानी नेता वो किसी अवधि के लिए सुरक्षा के प्रयोजनों से या अन्यथा स्टाफ कार उपयोग नहीं कराई गई थी।

उपलब्ध कराई जाती है, वहां वह ऐसी अवधि के लिए किसी स्टाफ कार चालक के लिए भी हुक्मार होगा।

(2) स्टाफ कार चालक के पद की वही हैसियत श्रीर वेतनमान होगा जो केन्द्रीय सरकार के अधीन किसी भावितमण्डल मंत्री के निजी स्टाफ में तत्समान पद को लागू होता है।

(ii) विद्यमान प्रध्यण IV के स्थान पर निम्नलिखित प्रध्यण रखा जाएगा, प्रथम।—

प्रध्यण IV

(नियम 19)

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने विधानी नेता के द्वारा कर्तव्यों के निर्वहन में _____ के मास के दौरान सवारी पर _____ से अन्यत का अवय उपगत किया है श्रीर माथ श्री मुख्य उक्त अवधि के दौरान सुरक्षा के कारणों से या अन्यथा स्टाफ कार उपयोग नहीं कराई गई थी।

[मं. एफ. 14 (2) / ११ का, प्र.]

संसद में विपक्षी नेता (भासे, चिकित्सीय और अन्य सुविधाएं) (संशोधन) नियम, 1991 का स्पष्टीकारक भाग

नवीनी लोक सभा के गठन के परिणामस्वरूप कांग्रेस (आई) दल के नेताओं को 18 दिसम्बर, 1989 से लोक सभा और राज्य सभा में विपक्षी नेताओं के रूप में मान्यता प्रदान की गई थी। क्योंकि विपक्षी नेताओं को मंत्रिमण्डल मंत्री की प्राप्तिपद्धति प्रधान की गई है इसलिए सभावारी भने की रकम में एक उच्च स्तर तक वृद्धि करने का और मंत्रिमण्डल मंत्रियों को उपलब्ध कलिपय सुविधाओं को विपक्षी नेताओं को भी उपलब्ध कराने का विनियम किया गया था। क्योंकि संशोधन भासे/सुविधाओं में वृद्धि का उपबंध करने के लिए है इसलिए इन संशोधनों को भूतलभी प्रभाव दिए जाने से किसी पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS NOTIFICATIONS

New Delhi, the 8th May, 1991

G.S.R. 269(E).—In exercise of the powers conferred by section 10, read with sub-section (2) of section 8, of the Salary and Allowances of Leaders of Opposition in Parliament Act, 1977 (33 of 1977), the Central Government hereby makes the following rules, further to amend the Leaders of Opposition in Parliament (Allowances, Medical and other Facilities) Rules, 1977, namely :—

1. (1) These rules may be called the Leaders of Opposition in Parliament (Allowances, Medical and other Facilities) (Amendment) Rules, 1991.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of October, 1990.

2. In the Leaders of Opposition in Parliament (Allowances, Medical and other Facilities) Rules, 1977,—

(i) after rule 18, the following rule shall be inserted namely :—

"18A. Staff Car Driver.—(1) Where the Leader of Opposition is provided with staff car for the purposes of security or otherwise for any period he shall also be entitled to a staff car driver for such period.

(2) The post of staff car driver shall carry the same status and scale of pay as is applicable to the corresponding post on the personal staff of a Cabinet Minister under the Central Government";

(ii) for the existing Form IV, the following Form shall be substituted, namely :—

FORM IV (Rule 19) CERTIFICATE

Certified that I have incurred an expenditure of not less than Rupees _____ on conveyance during the month of _____ in the discharge of my duties as the Leader of the Opposition and also that I was not provided a staff car on account of security reasons or otherwise during the said period."

[No. F. 14(2)|89-W3]

Explanatory Memorandum to the Leaders of Opposition in Parliament (Allowances, Medical and other Facilities (Amendment) Rules, 1991

Consequent to the constitution of the 9th Lok Sabha, Leaders of the Congress (I) party were recognised as the Leaders of Opposition in the Lok Sabha and Rajya Sabha with effect from 18th December, 1989. As the Leaders of Opposition have been accorded the status of a Cabinet Minister, it was decided to raise the amount of conveyance allowance to a reasonable level and to provide certain facilities as available to the Cabinet Ministers, to the Leaders of Opposition also. As the amendments seek to provide the increase in allowance/facilities, nobody is likely to be adversely affected by giving these amendments retrospective effect.

संसद में विपक्षी नेता (मोटरकार के लिए अधिकार) नियम 1991

सा. ना. नि. 270(म) :—केंद्रीय सरकार संसद में विपक्षी नेता बेतन और भासे प्रधिनियम, 1977 की भाग 8 के साथ पटित धारा 10 द्वारा प्रवर्तन मंत्रियों का प्रयोग करने हए विपक्षी नेताओं को मोटर कार खारीदने के लिए अधिक की मंजूरी को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनानी है, अधिकार :—

1. संशिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम संसद में विपक्षी नेता (मोटर-कार के लिए अधिकार) नियम 1991 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवर्त्त द्वारा :

2. अधिकार की अधिकातम रकम :—वह अधिकातम रकम जो संसद में किसी विपक्षी नेता को मोटर कार खारीदने के लिए उदार ही जा सकेगी, पचास हजार रुपये या उस मोटर कार की, जिसे खारीदने का विचार है, वास्तविक कीमत से, जो भी कम है, अधिक नहीं होगा।

3. अधिकार का प्रतिसंदाय :—(1) नियम 2 के अधीन लिए गए अधिकार और उस पर व्याज की व्युत्ति गंदविधित विपक्षी नेता के बेतन से, अधिक से अधिक साठ बारावर मासिक किसी में की जाएगी। किन्तु यदि अधिक लेने वाला विपक्षी नेता ऐसा चाहता है तो सरकार कम किसी में व्युत्ति गंदविधित कर सकती है। यह कटीती अधिकार लेने के पावाल बेतन के पहले विल से प्रारम्भ की जाएगी। अधिकार पर उस दर से साधारण व्याज प्रभास्ति किया जाएगा जो सरकारी सेवकों द्वारा चाहन खींदने के प्रथोन के लिए सरकार द्वारा नियम किया गया है।

स्पष्टीकरण :—(1) मासिक किसी में व्युत्ति की जाने वाली अधिकार की रकम पूरे-पूरे रूपयों में नियत वी जाएगी सिवाय अन्तिम किसी के, जब शेष बकाया रकम जिसमें रूपए की भिन्न भी है, व्युत्ति की जाएगी।

(2) यदि कोई विपक्षी नेता अधिकार का पूर्णतः प्रतिसंदाय किए जाने से पूर्व अपना पद छोड़ता है तो शेष बकाया राशि उस पर व्याज महिल सुरक्षा वरकार को एक मुश्त राशि में संदर्भ की जाएगी।

4. मोटर कार का विक्रय :—(1) उस दशा के सिवाय जब कोई विपक्षी नेता अपना पद छोड़ता है, विपक्षी नेता अधिकार की सहायता से खारीदी गई मोटर कार के विक्रय के लिए सरकार की पूर्व मंजूरी लेगा यदि ऐसा अधिकार उस पर उद्भूत व्याज गहित पूर्णतः प्रति संवलन नहीं कर दिया गया है। यदि कोई विपक्षी नेता मोटर कार और उससे सम्बद्ध वायिधि का अन्तरण किसी अन्य विपक्षी नेता को कर्ता चाहता है, तो उसे ऐसा करने के लिए सरकार के द्वारे जो शर्तें अनुशासन किया जा सकेगा परन्तु यह तब जब खारीदने वाला विपक्षी नेता यह शोधना अभिलिखित करेंगे कि उसे इस बात का पता है कि उसे अन्तरित मोटर कार सरकार के पास बंधक है और वह बंधकपत्र के नियमों और उपायों से प्राप्त है।

(2) उन सभी मामलों में जहाँ किसी मोटर कार का विक्रय अधिग्रह और उस पर व्याज का पूर्णतः प्रतिसंदाय किए जाने से पूर्व किया जाता है, वहाँ विक्रय आगम का उपयोग जहाँ तक आवश्यक हो, शेष बकाया रकम के प्रतिसंदाय के लिए किया जाना चाहिए :

परन्तु जब मोटर कार का विक्रय इस दृष्टि से किया जाता है कि दूसरी मोटर गाड़ी खरीदी जा सके तब सरकार विक्रय आगम का ऐसी खरीद के लिए उपयोग किए जाने के लिए विपक्षी नेता को निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए अनुज्ञात कर सकेंगी, अर्थात् :—

(क) शेष बकाया रकम नई कार की लागत से अधिक नहीं होने दी जाएगी;

(ख) शेष बकाया रकम का पूर्व नियत दर पर प्रतिसंदाय किया जाता रहेगा और

(ग) नई कार सरकार को बंधक की जाएगी और उसका बीमा भी करवाया जाएगा ।

5. अवधि जिसके भीतर कार खरीदने के लिए जाती है पूरी की जा सकेंगी :—अधिग्रह लेकर मोटर कार खरीदने वाला विपक्षी नेता मोटर कार खरीदने की जाती है पूरी कारके उसका अन्तिम संदाय अधिग्रह लेने की तारीख से एक मास के भीतर करेगा, ऐसी जाती है पूरी कारके संदाय करने में असफल रहने पर लिए गए अधिग्रह की पूरी रकम उस पर एक भास के व्याज सहित सरकार को वापस कर दी जाएगी किस्त लेने देने पूरा करने की एक मास की अवधि में सरकार द्वारा विशेष भासलों में छट दी जा सकेंगी । जब किसी मोटर कार की खरीद करने के लिए कोई अधिग्रह अनुशेष नहीं होगा यदि संदाय भाग रूप किया गया है तो अधिग्रह दी जाने वाली बाकी रकम तक सीमित होगा जैसा विपक्षी नेता द्वारा प्रमाणित किया जाए ।

6. करार का निष्पादन :—अधिग्रह लेने समय विपक्षी नेता प्रस्तुप 1 में एक करार निष्पादित करेगा और खरीद पूरी होने पर वह सब अधिग्रह के लिए प्रतिभूति के रूप में उक्त मोटर कार सरकार को आँखमान करते हुए प्रस्तुप 2 में एक बंधपत्र निष्पादित करेगा । मोटर कार की कीमत बंधपत्र के साथ संग्रह विनियोगों की अनुसूची में प्रदिव्यित की जाएगी ।

7. लेखा अधिकारी का प्रमाणपत्र :—जब कोई अधिग्रह लिया गया हो तब मंजूरी प्राधिकारी लेखा अधिकारी को इस आशय का एक प्रमाणपत्र भेजेगा कि अधिग्रह लेने वाले विपक्षी नेता के प्रस्तुप 1 में करार पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और वह करार ठीक पापा गया है मंजूरी प्राधिकारी यह देखेगा कि मोटर कार की खरीद अधिग्रह लेने की तारीख से एक मास के भीतर या ऐसी अवधि के भीतर जो नियम 5 के अधीन लेने देने पूरा करने के लिए विशेष भासलों में सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट रूप से अनुज्ञात की गई हो की जाती है और वह प्राधिकारी प्रत्येक बंधपत्र को अस्तिम रूप से रिकार्ड किए जाने से पूर्व लेखा अधिकारी को उसकी परीक्षा के लिए तकनीक प्रस्तुत करेगा ।

8. सुरक्षित अभिरक्षा और बंधपत्र का रद्द किया जाना :— । बंधपत्र मंजूरी प्राधिकारी की सुरक्षित अभिरक्षा में रक्षा जाएगा जब अधिग्रह और उस पर व्याज का पूर्णतः संवाद कर दिया गया हो, तब अधिग्रह और व्याज के पूर्ण प्रतिसंदाय के बारे में लेखा अधिकारी से प्रमाणपत्र अधिग्रहात्मक करने के पश्चात् बंधपत्र सम्बन्धतः रद्द किया जा कर संबंधित विपक्षी नेता को वापस कर दिया जाएगा ।

9. मोटर कार का बीमा :—अधिग्रह से खरीदी गई मोटर कार का अधिग्रह खरीदी या दुर्घटना से हानि के लिए पूरा बीमा कराया जाएगा । बीमा पालनी में (प्रस्तुप 3 में देखें) एक खंड होगा जिसके द्वारा बीमा कम्पनी मोटर कार की ऐसी हानि या नुकसान की शावस, जिसकी प्रतिपूर्ति मरम्मत यथावृत्करण या प्रतिस्थापन द्वारा नहीं की जाती है, संपैयं फिरही राशियों का संवाद स्थानी को करने के बजाए सरकार को करने के लिए करार करती है ।

प्रस्तुप I

(नियम 6)

मोटर कार खरीदने के लिए अधिग्रह लेने समय निष्पादित किए जाने वाले करार का प्रस्तुप ।

यह करार एक पक्षकार के रूप में श्री _____ जो मंसद (लोकसभा/राज्य सभा में विपक्षी नेता है) जिसे इसमें इसके आगे उधार लेने वाला कहा गया है (और जिस पद के अन्तर्गत उसके विधिक प्रतिनिधि और समनुदेशिती भी है) और दूसरे पक्षकार के रूप में भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें इसके आगे केन्द्रीय सरकार कहा गया है) के बीच आज तारीख _____ की किया गया ।

उधार लेने वाले ने मोटर कार खरीदने के लिए संसद में विपक्षी नेता (मोटर कार के लिए अधिग्रह) नियम, 1991 के अधीन _____ द. (_____ रुपये) उधार दिए जाने के लिए केन्द्रीय सरकार की आवेदन किया है और केन्द्रीय सरकार उधार लेने वाले को उक्त रकम इसमें इसके आगे दिए गए निर्धारणों और शर्तों पर देने के लिए सहमत हो गई है ।

2. इसके पक्षकारों के बीच यह करार किया जाता है कि उधार लेने वाले केन्द्रीय सरकार द्वारा वी गई _____ रु. (_____ रुपये) की राशि (जिसके लिए उधार लेने वाला इसके द्वारा पावती देता है) के प्रतिफलस्वरूप उधार लेने वाला केन्द्रीय सरकार के साथ यह करार करता है कि वह _____

(i) उक्त नियमों के अनुसार संगणित व्याज सहित उक्त रकम का केन्द्रीय सरकार की संवाद अपने वेतन में से प्रति मास कटौती कराके करेगा, जैसा कि उक्त नियमों द्वारा उपबंधित है, और ऐसी कटौतियां करने के लिए केन्द्रीय सरकार का प्राधिकृत करता है—

(ii) इस विलेख की तारीख से एक मास के भीतर, उक्त उधार की पूरी रकम मोटर कार खरीदने में सहायता या यदि उसके द्वारा वी गई यास्तविक कीमत उधार की रकम से कम है तो शेष रकम केन्द्रीय सरकार को तुरंत लौटा देगा, और

(iii) उधार लेने वाले को पूर्वोक्त रूप में उसे वी गई उधार की रकम और व्याज के लिए प्रतिभूति के रूप में उक्त मोटर कार का केन्द्रीय सरकार के पक्ष में आँखमान रखने के लिए उक्त नियम द्वारा उपबंधित रूप में दस्तावेज निष्पादित करेगा । अत में यह करार किया जाता है और धोषणा की जाती है कि यदि इस विलेख की तारीख से एक मास के भीतर मोटर कार खरीदी नहीं जाती है और आँखमान नहीं रखी जाती है या यदि उधार लेने वाला उक्त अवधि के भीतर विवादिया हो जाता है या अपना पद छोड़ देता है या अन्यथा विपक्षी नेता मरी होता है या मर जाता है तो उधार की पूरी रकम और उस पर प्रोद्धत व्याज तुरंत शोध्य और संदेश ही जाएगा ।

इसके साथस्वरूप इस पर ऊपर विलेखी तारीख को उधार लेने वाले ने हस्ताक्षर कर दिए हैं ।

उक्त श्री _____ ने _____ की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए ।

प्रस्तुप II

(नियम 6)

मोटर यान के लिए अधिग्रह बंधक पद का प्रस्तुप ।

यह करार एक पक्षकार के रूप में श्री _____ (जिसे इसमें इसके आगे "उधार लेने वाला" कहा गया है और जिस पद के अन्तर्गत उसके वारिस प्रशासक, निष्पादक और विधिक प्रतिनिधि भी है) और

दूसरे पक्षकार के रूप में भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें इसके आगे "राष्ट्रपति" कहा कहा गया है और जिस पद के अर्थात् उनके उत्तरवर्ती और समनुदेशिती भी हैं) के बीच भाजा तारीख ————— की किया गया।

उधार लेने वाले ने एक मोटर यान चारीदर के लिए संसद में विधायी नेता (मोटर यान के लिए अधिकारी) नियम 1991 (जिन्हें इसमें इसके आगे "उक्त नियम" कहा गया है) नियम 2 के नियंत्रणों पर ————— रूपए के अधिकार के लिए आवेदन किया है और वह मंजूर कर दिया गया है और उधार लेने वाले को उक्त उधार जिन शर्तों पर दिया गया है/दिया गया था उनमें से यह एक है कि उधार लेने वाले उसे उधारदी गई रकम के लिए प्रतिशुल्क के रूप में उक्त मोटर यान राष्ट्रपति को भाइमान रखेगा और उधार लेने वाले ने पूर्वोंत हृप में दिए गए उधार की रकम से या उसके आगे से मोटर यान जिसकी विधिविद्या इसके नीचे लिखी अनुसूची में दी गई है, चारीद ती है।

अब यह विलेख इस बात का साक्षी है कि उक्त करार के अनुसरण में और पूर्वोंत प्रतिशुल्क के लिए उधार लेने वाला यह करार करता है कि वह पूर्वोंत ————— रु. (———— रुपए) की रकम या उसके अतिशेष का, जो इस विलेख की तारीख को प्रसंदर्भ रह जाता है ————— रुपए (———— रुपए) की समान किस्तों में प्रत्येक मास के प्रथम दिन संदाय करेगा और तत्समय देय और शोध्य रह गई राशि पर उक्त नियमों के अनुसार सापित ध्याज देगा, तथा उधार लेने वाला इस बात के लिए सहमत है कि ऐसी किस्तें उक्त नियमों द्वारा उपर्युक्त रीति में उसके बेतन में से मासिक कटौतियाँ करके बसूल की जा सकेंगी और उक्त करार के ही अनुसरण में उधार लेने वाला मोटर यान का, जिसकी नीचे लिखी अनुसूची में उल्पाणित है, उक्त अधिकारी और उस पर व्यापक के लिए प्रतिशुल्क के रूप में उक्त नियमों की प्रपेक्षानुसार राष्ट्रपति को समनुदेशन और अनुसरण करता है।

उधार लेने वाला यह भी करार करता है कि और यह धोषणा करता है कि उसने उक्त मोटर यान की पूरी शीर्षता देंदी है और वह उसकी आरंभिक सम्पत्ति है और उसने उसे गिरवी नहीं रखा है और जब तक उक्त अधिकार के संबंध में कोई अनराशी राष्ट्रपति को संवेद्य रहती है तब तक वह उक्त मोटर यान को न तो बेचेगा, न गिरवी रखेगा और न उसमें अपने स्वतंत्र या कब्जे को छोड़ेगा।

यह भी करार किया जाता है और धोषणा की जाती है कि अद्य मूलधन की उक्त किस्तों में से कोई किस्त या ध्याज देय हो जाने के पश्चात् दस दिन के भीतर पूर्वोंत रूप में नहीं देव दिया जाता है या बसूल नहीं कर दिया जाता है या यदि उधार लेने वाले की मृत्यु हो जाती है या वह किसी भी समय अपना पद छोड़ देता है या अन्यथा विधायी नेता नहीं रहता है अथवा यदि उधार लेने वाला उक्त मोटर यान को बेच देता है या गिरवी रख देता है या उसमें अपने स्वतंत्र या कब्जे को छोड़ देता है अथवा वह दिवालिया हो जाता है या अपने लेनेवालों के साथ कोई समझौता या ठहराव कर देता है अथवा यदि कोई अद्यक्षित उधार लेने वाले के खिलाफ किसी डिग्री या निर्णय के निष्पादन में कार्यशाही आरंभ करता है तो उक्त मूलधन की पूरी रकम जो उस समय देय हो, किन्तु जिसका संवाद न किया गया हो, पूर्वोंत रूप में संगणित ध्याज सहित तुरन्त संवेद्य हो जाएगी।

और इसके द्वारा यह करार किया जाता है और धोषणा की जाती है कि इसमें इसके पूर्व उल्लिखित घटनाओं में से किसी के होने पर राष्ट्रपति उक्त मोटर यान का अभिग्रहण कर सकेंगे और उसका कब्जा ले सकेंगे तथा या तो उसकी हटाए जिना उस पर कर्वा रख सकेंगे या उसे हटा सकेंगे और आरंभजनक नीलाम अथवा प्राइवेट संविदा द्वारा उक्त मोटर यान की बेच सकेंगे तथा बेचने से प्राप्त रकम में से उक्त उधार का उस समय धोषणा भाग और पूर्वोंत रूप में संगणित और देय कोई ध्याज और इसके अधीन अपने अधिकारी भी बनाए रखें, उनकी

रक्षा या उक्त प्राप्त करने में उचित रूप से किए गए सब खर्च, प्रभार, अथवा और संदाय अपने पास रख सकेंगे तथा यदि कोई रकम धोषणा रहती है तो उसे उधार लेने वाले उसके निष्पादकों, प्रशासकों या वैयक्तिक प्रतिनिधियों को दे देंगे:

परन्तु उक्त मोटर यान का कब्जा लेने वाले उसका वैयक्तिक पूर्वोंत शक्ति से, उधार लेने वाले पर या उसके वैयक्तिक प्रतिनिधियों पर उक्त धोषण रकम और ध्याज के लिये, अथवा यदि मोटर यान बेच दिया जाता है तो उतनी रकम के लिए राष्ट्रपति के आदलाने के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, जितनी से बेचने से प्राप्त शुद्ध आर्गम देय रकम से कम पड़ेगा;

तथा उधार लेने वाला यह भी करार करता है कि जब तक कोई धनतराशि राष्ट्रपति को देय हो और वाकी रही तब तक उधार लेने वाला उक्त मोटर यान का अधिकारी वौसी या बुर्वटना में हानि या नुकसान के लिए किसी वीमा कंपनी में, जो संबंधित लेखा अधिकारी द्वारा अनुमोदित की जाए, वीमा करायेगा और उसे नालू रखेगा तथा लेखा अधिकारी के समाधानप्रद रूप में इस बात का साश्य पेश करेगा कि उक्त मोटर वीमा कंपनी की, जिसमें उक्त मोटर यान का वीमा कराया गया है यह शुचना मिल चुकी है कि उसकी पालिसी से राष्ट्रपति हिन्दूद्ध है;

और उधार लेने वाला यह भी करार करता है कि वह उक्त मोटर यान को नष्ट या अतिग्रस्त नहीं करने देगा या लेने देगा अथवा उसमें उचित टूट-फूट से अधिक टूट-फूट नहीं होने देगा तथा यदि मीटर उक्त यान को कोई नुकसान पहुंचवा है या उसके साथ कोई बुर्वटना होती है तो उधार लेने वाला उसकी तुरन्त मरम्मत करायेगा और उसे ठीक कर देगा।

अनुसूची

मोटर यान का वर्णन
निमीता का नाम
वर्णन
सिलेंडरों की संख्या
इंजन संख्या
चैसिस संख्या
लागत कीमत
इसके साथस्थल्प इसमें ऊपर लिखी तारीख की उक्त ————— (उधार लेने वाले का नाम) ने और भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से ————— ने इस पर अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिया है।
उक्त	(उधार लेने वाले का नाम)

	(उधार लेने वाले के हस्ताक्षर और पदनाम)
(1)	(साक्षी का नाम, पता और व्यवसाय) (साक्षी के हस्ताक्षर)
(2)	(साक्षीय का नाम, पता और व्यवसाय) (साक्षी के हस्ताक्षर)
	की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।
	राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से (नाम और पदनाम)

	(अधिकारी के हस्ताक्षर और पदनाम)
(1)	(साक्षी का नाम, पता और व्यवसाय) (साक्षी के हस्ताक्षर)

(2) ——————(साथी का नाम, पता और व्यवहार)—————
(साथी के हस्ताक्षर)

की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

उधार लेने वाले का नाम और पदनाम—

प्रलेप III

(नियम 9)

बीमा पालिसीयों में जोड़े जाने वाले खड़ का प्रलेप

यह व्यष्टिया की जाती है और करार किया जाता है कि श्री ——————

(मोटर कार का स्वामी, जिसे इसमें शमके प्राप्त इस पालिसी की अनुसूची में बीमाकृत कहा गया है) ने मोटर कार भारत के गवर्नरपति की (जिन्हें इसमें इसके आगे "मरकार" कहा गया है) इन प्रतिशिरों के लिए प्रतिशिरि के रूप में आइमान कर दी है, जो उस मोटर कार के खरीदने के लिए दिया गया है। यह भी व्यष्टिया की जाती है और करार किया जाता है कि उक्त मरकार पर्से धन में हितबद्ध है जा यदि यह पृथक्कन न होता तो उक्त श्री —————— (इस पालिसी के अधीन बीमाकृत) को उक्त मोटर कार की हानि या नुकसान की बाबत (जिस हानि या नुकसान की प्रतिमूर्ति, मरम्मत, यथा पूर्वकरण या प्रतिरक्षापन द्वारा नहीं की गई है) संदेश होता और प्रेसा धन मरकार को उस समय तक दिया जाएगा जब तक कि वे मोटर कार के संबंधकार हैं और उनकी रसीद इस बात का प्रमाण देंगी कि ऐसी हानि या नुकसान की बाबत कंपनी ने पूरा और अंतिम भुगतान कर दिया है।

2. इस पृथक्कन द्वारा अधिक्षयत रूप में जो करार किया गया है उसके सिवाय उसकी किसी भी बात से बीमाकृत के या कंपनी के, पालिसी के अधीन या संबंध में अधिकारों या दायित्वों का अध्यवा इस पालिसी के किसी निर्बंधन उपर्युक्त या गत का न तो उपांतरण होगा और न उस पर प्रभाव पड़ेगा।

[सं. 14 (2) 89 — का. न.]

आर. श्रीनिवासन, सचिव

THE LEADERS OF OPPOSITION IN PARLIAMENT (ADVANCE FOR MOTOR CAR) RULES, 1991

G.S.R. 270(E).—In exercise of the powers conferred by Section 10 read with Section 8A of the Salary and Allowances of Leaders of Opposition in Parliament Act, 1977, the Central Government hereby makes the following rules to regulate the grant of advance for purchase of motor car to the Leaders of Opposition, namely :—

1. Short title and commencement:—

(1) These rules may be called the Leaders of Opposition in Parliament (Advance for Motor Car) Rules, 1991.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. Maximum Amount of Advance.—The maximum amount which may be advanced to a Leader of Opposition in Parliament for the purchase of a motor car shall not exceed rupees fifty thousand or the actual price of the motor car, which is intended to be purchased, whichever is less

3. Repayment of Advance.—(1) Recovery of the advance granted under rule 2, together with interest thereon, shall be made from the salary bill of the Leader of Opposition concerned in not more than sixty equal monthly instalments. The Government may, however, permit recovery to be made in a smaller number of instalments if the Leader of Opposition receiving the advance so desires. The deduction shall commence with the first issue of salary after the advance is drawn. Simple interest at the rate fixed by the Government for the purpose of purchase of conveyances by Government servants, shall be charged on the advance.

Explanation.—(1) The amount of the advance to be recovered monthly shall be fixed in whole rupees except in the case of last instalment when the remaining balance including any fraction of a rupee is to be recovered.

(2) In case a Leader of the Opposition relinquishes his office before the advance is fully repaid, the outstanding balance together with interest thereon shall be paid to the Government immediately in one lump sum.

4. Sale of Motor Car.—(1) Except when a Leader of Opposition relinquishes his office, the previous sanction of the Government shall be obtained for the sale by the Leader of Opposition of the motor car purchased with the aid of an advance, if such advance together with the interest accrued thereon has not been fully repaid. If a Leader of Opposition wishes to transfer the motor car and the liability attaching thereto to another Leader of Opposition, he may be permitted to do so under the orders of the Government provided that the purchaser i.e., Leader of the Opposition, records a declaration that he is aware that the motor car transferred to him remains subject to mortgage to the Government and that he is bound by the terms and provisions of the mort gage bond.

(2) In all cases, where a motor car is sold before the advance with interest thereon has been fully repaid, the sale proceeds must be applied, so far as may be necessary, towards the repayment of such outstanding balance :

Provided that when the motor car is sold only in order that another motor car may be purchased, the Government may permit the Leader of Opposition to apply the sale proceeds towards such purchase, subject to the following conditions, namely :—

- the amount outstanding shall not be permitted to exceed the cost of the new car;
- the amount outstanding shall continue to be repaid at the rate previously fixed; and
- the new car shall be mortgaged to the Government and also insured.

5. Period within which Negotiations for purchase of Car may be completed.—A Leader of the Opposition who draws an advance for the purchase of a motor car, shall complete negotiations for the purchase of, and make final payment for the motor car, within one month of the date on which he draws the advance; failing such completion and payment, the

full amount of the advance drawn, with interest thereon for one month, shall be refunded to the Government. The period of one months for completion of the deal may, however, be relaxed by the Government in individual cases. An advance will not be admissible when a motor car has already been purchased and paid for in full. In a case in which payment has been made in part, the amount of advance will be limited to the balance to be paid as certified by the Leader of Opposition.

6. Execution of Agreement.—At the time of drawing the advance, the Leader of Opposition shall execute an agreement in Form I and, on completing the purchase, he shall further execute a mortgage bond in Form II hypothecating the motor car to the Government as a security for the advance. The cost price of the motor car shall be entered in the schedule of specifications attached to the mortgage bond.

7. Certificate of the Accounts Officer.—When an advance is drawn, the sanctioning authority shall furnish to the Accounts Officer a certificate that the agreement in Form I has been signed by the Leader of Opposition drawing the advance and that it has been found to be in order. The sanctioning authority shall see that the motor car is purchased within one month from the date on which the advance is drawn or such period as may have been specifically allowed in individual cases, by the Government for completion of the deal under rule 5, and shall submit every mortgage bond promptly to the Accounts Officer for examination before final record.

8. Safe Custody and cancellation of Mortgage Bond.—The mortgage bond shall be kept in the safe custody of the sanctioning authority. When the advance together with the interest thereon has been fully repaid, the bond shall be returned to the Leader of Opposition concerned duly cancelled, after obtaining a certificate from the Accounts Officer as to the complete repayment of the advance and interest.

9. Insurance of Motor Car.—The motor car purchased from the advance shall be fully insured against loss by fire, theft or accident. The insurance policy shall contain a clause (as in Form III) by which the insurance company agrees to pay to the Government, instead of the owner, any sums payable in respect of loss or damage to the motor car which is not made good by repair, reinstatement or replacement.

FORM I

(Rule 6)

Form of agreement to be executed at the time of drawing an advance for the purchase of a motor car

An agreement made this _____ day of _____ one thousand nine hundred and _____ BETWEEN
Shri _____ Leader of the Opposition in Parliament (Lok Sabha/Rajya Sabha) (hereinafter called the Borrower, which expression shall include his legal representatives and assignee) of the one part and the President of India (hereinafter called the Central Government) of the other part.

Whereas the Borrower has under the Leaders of Opposition in Parliament (Advance for Motor Car) Rules, 1991, applied to the Central Government for a loan of Rs. _____ (Rupees _____ only) for the purchase of a motor car and the Central Government have agreed to lend the said amount to the Borrower on the terms and conditions hereinafter contained.

2. Now it is hereby agreed between the parties hereto that in consideration of the sum of Rs. _____ (Rupees _____) paid by the Central Government to the Borrower (the receipt of which the Borrower hereby acknowledges), the Borrower hereby agrees with the Central Government—

- (i) to pay the Central Government the said amount with interest calculated according to the said rules by monthly deductions from his salary as provided for by the said rules and hereby authorises the Central Government to make such deductions.
- (ii) within one month from the date of these presents to expend the full amount of the said loan in the purchase of a motor car or if the actual price paid is less than the loan, to repay the difference to the Central Government forthwith, and
- (iii) to execute a document hypothecating the said motor car to the Central Government as security for the amount lent to the Borrower, as aforesaid and interest in the Form provided by the said rules.

And it is hereby lastly agreed and declared that if the motor car is not purchased and hypothecated as aforesaid within one month from the date of these presents or if the Borrower within that period becomes insolvent or relinquishes his office or otherwise ceases to be a Leader of the Opposition or dies, the whole amount of the loan and interest accrued thereon shall immediately become due and payable.

In witness whereof the Borrower has hereunto set his hand the day and year first before written.

Signed by the said Shri _____
in the presence _____

FORM II

(Rule 6)

Form of mortgage bond for motor vehicle advance

This Indenture made this _____ day of _____ one thousand nine hundred and ninety _____ BETWEEN _____ (hereinafter called "the Borrower", which expression shall include his heirs, administrators, executors and legal representatives) of the one part and the PRESIDENT OF INDIA (hereinafter called "the President", which expression shall include his successors and assigns) of the other part.

Whereas the Borrower has applied for and has been granted an advance of Rupees _____ to purchase a Motor Vehicle on the terms of rule 2 of the Leader of Opposition in Parliament (Advance for Motor Car) Rules, 1991 (hereinafter referred to as "the said Rules") AND WHEREAS one of the condition upon which the said advance has been granted to the Borrower is/was that the Borrower will/would hypothecate the said Motor Vehicle to the President as security for the amount lent to the Borrower AND WHEREAS the Borrower has purchased with or partly with the amount so advanced as aforesaid the Motor Vehicle particulars whereof are set out in the Schedule hereunder written :

Now this indenture witnesseth that in pursuance of the said agreement and for the consideration aforesaid the Borrower doth hereby covenant to pay to the President the sum of Rupees _____ (Rs. _____) aforesaid or the balance thereof remaining unpaid at the date of these presents by equal payment of Rupees _____ (Rs. _____) each on the first day of every month and will pay interest on the sum for the time being remaining due the owing, calculated according to the said Rules and the Borrower doth agree that such payments may be recovered by monthly deductions from his salary in the manner provided by the said Rules, and in further pursuance of the said agreement the Borrower doth hereby assign and transfer upto the President the Motor Vehicle the particulars whereof are set out in the Schedule hereunder written by way of security for the said advance and the interest thereon as required by the said Rules ;

And the Borrower doth hereby agree and declare that he has paid in full the purchase price of the said Motor Vehicle and that the same is his absolute property and that he has not pledged and so long as any money remains payable to the President in respect of the said advance, will not sell, pledge or part with the property in or possession of the said Motor Vehicle :

Provided always and it is hereby agreed and declared that if any of the said instalments of principal or interest shall not be paid or recovered in the manner aforesaid within ten days after the same are due or if the Borrower shall die or at any time relinquish his office or otherwise cease to be a Leader of the Opposition or if the Borrower shall sell or pledge or part with the property in or possession of the said Motor Vehicle or become insolvent or make any composition or arrangement with his creditors or if any person shall take proceedings in execution of any decree or judgment against the Borrower, the whole of the said principal sum which shall then be remaining due and unpaid together with interest thereon calculated as aforesaid shall forthwith become payable ;

And it is hereby agreed and declared that the President may on the happening of any of the events herein-before mentioned seize and take possession of the said Motor Vehicle and either remain in possession thereof without removing the same or else may remove and sell the said Motor Vehicle either by public auction or private contract and may, out of

the sale money retain the balance of the said advance then remaining unpaid and interest due thereon calculated as aforesaid and all costs, charges, expenses and payments properly incurred or made in maintaining, defending or realising his rights hereunder and shall pay over the surplus, if any, to the Borrower, his executors, administrators or personal representatives :

Provided further that the aforesaid power of taking possession or selling of the said Motor Vehicle shall not prejudice the right of the President, to sue the Borrower or his personal representatives for the said balance remaining due and interest or in the case of the Motor Vehicle being sold the amount by which the net sale proceeds fall short of the amount owing ;

And the Borrower hereby further agrees that so long as any moneys are remaining due and owing to the President, he, the Borrower will insure and keep insured the said Motor Vehicle against loss or damage by fire, theft, or accident with an Insurance Company to be approved by the Accounts Officer concerned and will produce evidence to the satisfaction of the Accounts Officer that the Motor Insurance Company with whom the said Motor Vehicle is insured have received notice that the President is interested in the policy ;

And the Borrower hereby further agrees that he will not permit or suffer the said Motor Vehicle to be destroyed or injured or to deteriorate in greater degree than it would deteriorate by reasonable wear and tear thereof AND further that in the event of any damage or accident happening to the said Motor Vehicle the Borrower will forthwith have the same repaired and made good.

THE SCHEDULE

Description of Motor Vehicle.

Maker's name.

Description.

No. of Cylinders.

Engine Number.

Chassis Number.

Cost Price.

In witness whereof the said _____ (Borrower's name) and for and on behalf of the President have hereunto set their respective hands the day and year first above written.

Signed by the said in the presence of :

1. _____

2. _____

(Signature of witnesses)

(Signature and designation
of the Borrower)

Signed by (name and designation)

(for and on behalf of the President of India in the presence of)

1. _____

2. _____

(Signature of witnesses)

(Signature and designation of the Officer)

Name and designation of the Borrower—

FORM III

(Rule 9)

For the clause to be inserted in Insurance Policy
It is hereby declared and agreed that Shri—
(the owner of the Motor Car

hereinafter referred to as the insured in the Schedule to this policy) has hypothecated the car to the President of India hereinafter called the "Government", as security for advances for the purchase of Motor Car and it is further declared and agreed that the said Government are interested in money and which but for this endorsement would be payable to the said Shri— (the insured under this policy) in respect of the loss or damage to the said Motor Car (which loss or damage is not made good by repair, reinstatement or replacement) and such moneys shall be paid to the Government as long as they are the mortgagees of the Motor Car and their receipt shall be full and final discharge to the company in respect of such loss or damage.

2. Save as by this endorsement expressly agreed, nothing herein shall modify or affect the rights or liabilities of the insured or the company respectively under or in connection with this policy or any term, provision or condition thereof.

[No. F. 14(2)|89-WS]

R. SRINIVASAN, Secy.